कोटा संभाग के पहले सिंथेटिक ट्रैक के लोकार्पण पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

श्रीनाथपुरम खेल स्टेडियम में आज आप सब लोगों के बीच आकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। कोटा संभाग के पहले सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण पूर्ण होने और लोकार्पण के पावन अवसर पर मैं कोटा सहित सम्पूर्ण हाड़ौती के खिलाड़ियों को बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

पिछले साल 31 जुलाई के दिन मैंने जब इस ट्रैक का शिलान्यास किया था, तब इसके निर्माण के लिए 12 माह का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन उस समय शिलान्यास कार्यक्रम में ही मैंने आपसे कह दिया था कि गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसका निर्माण कार्य समय से पहले पूरा कर लिया जाएगा। समय से ढाई महीने पहले यह प्रोजेक्ट पूरा हुआ है। यह सभी कोटा वासियों और हमारे होनहार खिलाड़ियों के लिए, हमारे नौजवानों के लिए खुशी का विषय है। आज राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में सिंथेटिक ट्रैक का ही उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में कोटा इस तरक्की के मामले में पीछे नहीं रह सकता था।

हमने युवाओं की इस जरूरत को अपनी प्राथमिकता बनाकर काम किया है। इस स्टेडियम में 400 मीटर के इस विश्व स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण होने से अब हमारे क्षेत्र के काबिल युवा यहाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की अच्छे से तैयारी कर पाएंगे।

कोटा-बूँदी क्षेत्र के खिलाड़ियों को इससे पहले अपनी प्रैक्टिस करने के लिए जयपुर, जोधपुर, चुरू या गंगानगर में जाना पड़ता था। लेकिन अब अपने घर में ही यानि कोटा में हमारे खिलाड़ियों की उच्च स्तर की प्रैक्टिस यहीं हो जाएगी। कोटा-बूँदी में खेलों में विकास के लिए हम यहीं रुकने वाले नहीं हैं। मेरी कोशिश रहेगी कि अब इस ट्रैक पर नेशनल और इंटरनेशनल लेवल की प्रतियोगिताएं करवाई जाए। यहाँ एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के आयोजन होने से ना सिर्फ़ हमारे क्षेत्र के खिलाड़ियों को सीखने को काफी कुछ मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के अन्य युवा भी खेलों की तरफ आकर्षित होंगे।

युवाओं के विकास के लिए खेलों का विशेष महत्व है। इससे लीडरशिप, टीम वर्क, जिम्मेदारी, सहयोग और अनुशासन जैसे गुणों का विकास होता है। खेल भावना से खेल खेलने वाला व्यक्ति जरूरी नहीं कि प्रोफेशनल खिलाड़ी ही बनें, वह अच्छा बिजनेसमैन भी

बन सकता है, अच्छा समाज सेवी, राजनेता, और प्रशासनिक अधिकारी भी बन सकता है। आप दुनिया में जितने भी सफल लोगों के बारे में पढ़ोगे, उन्हें जानेंगे, तो आप देखोगे कि अधिकतर सफल लोगों की या तो हॉबी में कोई खेल होता है या एक उम्र में उन्होंने खेलों में भाग लिया होता है।

इस समय कोटा बूंदी में "सांसद खेल महोत्सव" का आयोजन किया जा रहा है। इसका भी उद्देश्य यही है कि हम अपने अधिक से अधिक युवाओं को, आमजन को खेलों से जोड़ सकें। खेलों में भाग लेने का एक सीधा फायदा तो ये है ही कि आप प्रोफेशनल खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके अलावा एक दूसरा फायदा यह है कि आपकी फिटनेस हमेशा बनी रहेगी। आप हमेशा स्वस्थ रहेंगे। इसलिए थोड़ा बहुत ही सही, खेलों का अभ्यास हर उम्र के व्यक्ति को करना चाहिए।

आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। और आज भारत दुनिया की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मैं समझता हूँ कि हमारे युवाओं को अगर सही दिशा और पर्याप्त अवसर दिए जाए, अगर हमारे नौजवान अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करें, तो वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया का सबसे विकसित देश होगा। वह दिन दूर नहीं जब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में पहले नंबर पर होगी। हमारे युवा जब अपने पूरे सामर्थ्य से आगे बढ़ेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चाहे कॉमनवेल्थ हो, एशियन गेम्स हो या ओलिम्पिक खेल हो, भारत के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर दुनिया में तिरंगा फहराएंगे।

कोटा ने देश को कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। ओलंपियन अशोक कुमार, प्रभाकर शर्मा, प्रकाश कौशिक, एमपी सिंह सहित कई बड़े राष्ट्रीय खिलाड़ी कोटा से निकले हैं। एक जमाने में यहाँ हॉकी का बोलबाला हुआ करता था। कोटा के रेलवे कॉलोनी, नयापुरा में फ्रेंड्स क्लब, कुन्हाड़ी में विजयवीर क्लब सहित कई क्लब ऐसे थे जिनमें हॉकी की दो-दो टीमें बन जाया करती थी।

कई साल तक 8 टूर्नामेंट कोटा के अलग-अलग मैदानों में होते थे। कोटा में ऑल इंडिया श्रीराम हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन होता था, जिसमें भारत की नामी-गिरामी टीमें भाग लेती थीं। हैंडबॉल के खेल में भी कोटा ने देश और विदेशों में पहचान बनाई है। हैंडबॉल के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनेक खिलाड़ी कोटा ने देश को दिए हैं। हैन्डबॉल में दीलिप सिंह जी, जितेन्द्र हाड़ा जी, नरेश शर्मा जी, राजेश चतुर्वेदी जी, लोकेन्द्र सिंह जी सहित अनेक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने पूरे देश में कोटा का नाम आगे बढ़ाया है।

हमने देखा है कि वर्षों तक हमारे खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लायक सुविधाएं नहीं मिल पाई थी। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों से मुकाबला कर पाना बहुत मुश्किल था। जैसे जैसे हमारे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता गया, उन्हें सुविधाएं मिलती गई, हमारे खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

आज कोटा-बूंदी क्षेत्र में हम खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। बूंदी शहर में 20 करोड़ रूपए की लागत से खेल संकुल में सिंथेटिक ट्रैक, स्वीमिंग पूल, वॉकिंग ट्रैक का काम हो रहा है। वहीं लाखेरी, रामगंजमंडी, सुल्तानपुर और इटावा में भी 4-4 करोड़ रूपए लागत के इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्वीकृत किए गए हैं। बूंदी में बन रहे केंद्रीय विद्यालय के नवीन परिसर में भी विभिन्न खेल गतिविधियों के प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा क्षेत्र के कई पंचायत क्षेत्रों में खेल मैदान के निर्माण या सुधार के काम भी किए जा रहे हैं।

खेल का क्षेत्र हो या जीवन का कोई और क्षेत्र हो, भारत को आगे लेकर जाने का सामर्थ्य हमारी युवा पीढ़ी में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने नवाचारों के क्षेत्र में बहुत बड़े पैमाने पर और बहुत ही तेजी से प्रगति की है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। दुनिया के हर दस यूनिकॉर्न (1 बिलियन डॉलर का स्टार्टअप) में से एक भारत का होता है।

जब हम इंडिया@2047 की बात करते हैं तो हम 25 साल बाद 2047 के भारत की बात करते हैं। ऐसा भारत जो सबसे विकसित और सबसे समृद्ध होगा। उसमें हमारे नौजवानों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगी।

कोटा मेरी जन्मभूमि और कर्मभूमि है। इस क्षेत्र का विकास मेरा ध्येय है। कोटा को उन्नत, आधुनिक और वर्ल्ड क्लास बनाना मेरा सपना है। यहाँ रेलवे सुविधाओं के विस्तार की बात हो, पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा के लिए योगदान की बात हो; अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा ही मैंने प्राथमिकता से काम किए हैं।

आज देश में लोक सभा अध्यक्ष के पद पर हूँ तो ये भी आप लोगों के स्नेह और सहयोग का नतीजा है। इसलिए जब कभी व्यस्त होता हूँ तो और कोई प्रोग्राम तो फिर भी टल जाते हैं, लेकिन यहाँ कोटा-बूँदी में आप लोगों के बीच आने और आपके लिए कुछ करने में मैं कमी नहीं रखना चाहता।

हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर यहां के खिलाड़ी चमकें। राजस्थान के सभी जिले प्रेरणा के लिए देखें तो कोटा की ओर देखें। चर्चा हो तो कोटा और बूंदी के खिलाड़ियों की हो। इसके लिए हम अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के वे सभी अवसर मुहैया करवाएंगे जिनकी कि उन्हें आवश्यकता है।

संसाधनों के अभाव में हमारी कोई प्रतिभा पीछे नहीं रहनी चाहिए। हम इस सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। आज हमारा कोटा देशभर में एजुकेशन सिटी के नाम से जाना जाता है। देश के कई हिस्सों से यहाँ स्टूडेंट्स आते हैं। कोई डॉक्टर बनने के लिए तो कोई इंजीनियर बनने के लिए, कोई अपने किसी और सपने को पूरा करने की तैयारी करता है।

कोटा का नाम देश और प्रदेश में स्पोर्ट्स को लेकर भी जाना जाना चाहिए। कोटा से निकले कई खिलाड़ियों ने देश और विदेशों में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन इसके लिए उन्हें ट्रेनिंग बाहर से लेनी पड़ी, इसलिए कोटा को अधिक प्रसिद्धि नहीं मिली। हम वह वातावरण बनाना चाहते हैं कि कोटा के युवा को, यहाँ के बालक-बालिका को कोटा में रहकर ही विकास के सभी अवसर मिले।

हमारे कोटा में खेल की सभी सुविधाएं विकसित हो। कोई युवा बड़ी से बड़ी स्पोर्ट्स ट्रेनिंग करना चाहे तो उसे यही मिल जाए। इसी तरह यहाँ शिक्षा के उच्च प्रतिष्ठित संस्थान विकसित हो। कोटा का कोई युवा विज्ञान में या किसी और क्षेत्र में शोध करना चाहे, तो यहाँ का एनवायरनमेंट ऐसा हो जो उसे आगे बढ़ाएं, उसकी सोच को डिवेलप करें।

हम इस भाव से कोटा में काम कर रहे हैं। इसके लिए सरकार की सभी योजनाएं जो कोटा-बूंदी को शिखर पर लेकर जा सकने में सहायक हैं, हम उन योजनाओं, कार्यक्रमों को यहाँ इम्प्लीमेंट कर रहे हैं।

मैं आज यहाँ सभी युवाओं से यही कहूँगा कि मेहनत करते रहो और आगे बढ़ते रहो। अपनी फील्ड में हमेशा अपडेट रहो। सरकार खेलों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए 'फिट इंडिया अभियान', 'खेलो इंडिया', 'यूथ गेम्स', 'यूनिवर्सिटी गेम्स' जैसे कार्यक्रम करवाती है। आपको इनके बारे में जानकारी होनी चाहिए।

आज यहाँ जो अभिभावक आए हैं, उनसे मैं कहना चाहूँगा कि खेलों से अपने बच्चों को दूर मत कीजिए। उन्हें खेलने दीजिए। एक अच्छे जीवन के लिए स्वस्थ तन और स्वस्थ मन दोनों जरूरी है। इस बात को हमें समझना होगा।

मुझे विश्वास है कि कोटा का हर एक युवा अपनी तरक्की से सम्पूर्ण कोटा और देश व प्रदेश को भी आगे बढ़ाएगा।